आज नई दिल्ली में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री अरुण चतुर्वेदी ने गृह मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनने की बधाई दी। इस दौरान गृह मंत्री से राजस्थान सहित अन्य संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई।

'रामबाग गॉल्फ क्लब की गड़बड़ियों की जांच एस.ओ.जी. से कराएंगे'

नगर विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने विधानसभा में कहा

- **खर्रा ने विधायक कालीचरण सर्राफ द्वारा ध्यानाकर्षण के जरिए उठाए गए इस मसले पर दिए गए जवाब में यह घोषणा की।**
- **सर्राफ ने कहा कि यह क्लब जे.डी.ए. की जमीन पर बना है पर इसका एम.ओ.यू. नहीं हुआ क्लब की प्रबंध समिति में सरकार का कोई प्रतिनिधि भी नहीं है।**
- **सर्राफ ने आरोप लगाया कि क्लब में अवैध रुप से बार व रैस्रां चल रहा है और करोड़ों रुपया खर्च किया जा रहा है।**

जयपुर, 15 जुलाई (वि.सं.)। रामबाग गॉल्फ क्लब की अनियमितताओं की जांच का मुद्दा सोमवार को विधानसभा के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के दौरान उठा। यू.डी.एच. मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने विधायक कालीचरण सर्राफ के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के सवाल पर जवाब देते हुए घोषणा की कि सदन में उठे इन अनियमितताओं के मुद्दे की जांच भजनलाल सरकार स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप से कराएगी। इसके साथ ही खर्रा ने यह भी कहा कि गॉल्फ क्लब की जमीन जेडीए के स्वामित्व की है।

विधानसभा में भाजपा विधायक कालीचरण सराफ ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जरिए रामबाग गॉल्फ क्लब के संचालन में कथित रूप से व्याप्त भ्रष्टाचार से उत्पन्न स्थिति का मुद्दा उठाया तो यू.डी.एच. मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने जवाब देते हुए कहा कि 322 बीघा जमीन 1973 में आवंटित हुई थी, जिसके अधिग्रहण को लेकर राजस्थान उच्च न्यायालय में याचिकाएं दायर हुईं और एक रिट याचिका सर्वोच्च न्यायालय में लगी हुई है। उन्होंने कहा, यह सही है कि गॉल्फ क्लब जेडीए की जमीन पर बना हुआ है, लेकिन अभी तक इसका एम.ओ.यू. नहीं हुआ है। इसके साथ ही क्लब की प्रबन्ध समिति में सरकार का कोई नुमाइंदा नहीं है, गॉल्फ क्लब की साधारण सभा को स्थगित कर दिया गया है और इसकी सदस्यता पर रोक लगी हुई है। हालांकि, अभी रामबाग गॉल्फ क्लब में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके साथ 9 फरवरी को अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया है।

इस पर विधायक कालीचरण सराफ ने कहा कि यह बात सही है कि गॉल्फ क्लब की साधारण सभा को ध्वस्त कर दिया गया, लेकिन न्यायालय की रोक के बाद भी सदस्य बनाये जा रहे हैं। साधारण शुल्क एक लाख से ढाई लाख रुपये तक है, लेकिन 29 लाख से 50 लाख रुपये तक शुल्क लिया जा रहा है। यू.डी.एच. के सचिवों को इन क्लबों में सदस्य बनाया गया। कई विधायकों के बेटों को सदस्य बना दिया। अध्यक्ष व उपाध्यक्ष की अनुमति के बिना सदस्य कैसे बनाये जा रहे हैं?

सर्राफ ने आगे कहा कि जब कोई एम.ओ.यू. ही नहीं है तो शराब और रेस्टोरेंट संचालन की अनुमति किसने दी है। करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं, जो भी पार्टी सत्ता में रहती है, उनके परिवार के लोग इसके सदस्य बन जाते हैं, एस.ओ.जी. से इसकी जांच करवाई जाए। सराफ के ध्यानकर्षण पर जवाब पेश करते हुए मंत्री खर्रा ने कहा कि मैं गॉल्फ क्लब में अनियमितताओं की शिकायतों की एस.ओ.जी. जांच की घोषणा करता हूं।

झाबर सिंह खर्रा ने ज्योंही गॉल्फ क्लब में अनियमितताओं की जांच की घोषणा की तो विपक्षी सदस्यों ने इसका स्वागत किया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा में सदस्य गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि हम सरकार के फैसले का स्वागत करते हैं, लेकिन चिंता इस बात की है कि जो घोषणा यू.डी.एच. मंत्री ने की है, उसकी पालना कौन करेगा, क्योंकि सदन में कोई भी संबंधित अधिकारी मौजूद नहीं है। उन्होंने कहा, विधानसभा अध्यक्ष जी, आप बताइए कि सदन में इतना महत्वपूर्ण ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लगा हुआ है और उससे संबंधित अधिकारी यहां मौजूद नहीं है। इसके बाद सदन में कुछ हंगामा भी हुआ।

उदयपुर के दो बच्चे "चांदीपुरा" संक्रामक रोग से पीड़ित

- **बच्चों का ईलाज गुजरात के हिम्मत नगर में चल रहा था जहां एक की मौत हो गई है, पर दूसरे के स्वास्थ्य में सुधार देखा जा रहा है।**
- **जाँच के लिए नमूने पुणे के नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में भजे गए हैं, अभी रिपोर्ट नहीं आई है।**
- **चांदीपुरा संक्रमण मच्छर, घुन और रेतीली मक्खी से फैलता है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, उल्टी के साथ दौरे पड़ना भी शामिल है। इसमें मरीज़ कोमा में भी जा सकता है और उसकी मौत हो सकती है।**

जयपुर, 15 जुलाई। उदयपुर जिले के खेरवाड़ा ब्लॉक के दो गांवों में संदिग्ध चांदीपुरा संक्रामक बीमारी के मामले सामने आए हैं। ये दोनों बच्चे गुजरात के हिम्मतनगर में इस बीमारी का इलाज करा रहे थे तथा इन बच्चों में से एक की मौत हो गई है। हालांकि दूसरे की हालत में सुधार बताया जा रहा है। चिकित्सकों को इस संदिग्ध बीमारी के बारे में गंभीरतापूर्वक सावधानी बरतने और विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिये गये हैं।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि गुजरात बॉर्डर पर स्थित खेरवाड़ा ब्लॉक के नलफला और अखीवाड़ा गांवों के दो बच्चों का गुजरात के हिम्मतनगर में उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान जांच में इनको विशेष प्रकार के संक्रमण की रिपोर्ट आई है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक उपचार में विलंब के कारण एक बच्चे को बचाया नहीं जा सका, जबकि दूसरे बच्चे का चिकित्सालय में उपचार चल रहा है और उसके स्वास्थ्य में तेजी से सुधार आ रहा है।

डॉ. माथुर ने बताया कि गुजरात चिकित्सा प्रशासन द्वारा संक्रामक रोग 'चांदीपुरा' की जांच के लिए नमूने पुणे की नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) को भिजवाये गये हैं।

उन्होंने बताया कि इस रोग के संक्रमण के मामले गुजरात में पाये गये थे। अब से पहले राजस्थान में इस रोग का कोई केस दर्ज नहीं किया गया था। उन्होंने बताया कि दर्ज किये गये दोनों मामलों में बच्चे खेरवाड़ा ब्लॉक के हैं। इस क्षेत्र के निवासी रोजगार के लिए गुजरात के सीमावर्ती क्षेत्रों में पलायन करते हैं। उन्होंने बताया कि 11 जुलाई को बच्चों के संक्रमण की सूचना मिलते ही संबंधित चिकित्सा अधिकारियों को सावधानी बरतने और निगरानी बढ़ाने के निर्देश जारी कर दिये गये। उन्होंने बताया कि गुजरात में उपचाराधीन बच्चों की वास्तविक रिपोर्ट आना शेष है।

चांदीपुरा रोग एक वायरल संक्रमण

निदेशक जनस्वास्थ्य ने बताया कि चांदीपुरा रोग एक वायरल संक्रमण है जो मच्छर, घुन, रेतीली मख्खी के माध्यम से फैलता है। इसके उपचार में विलंब होने पर गंभीर स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने बताया कि चांदीपुरा संक्रमण के मुख्य लक्षण में बुखार आना, उल्टी होने तीव्र इंसेफेलाइटिस और आकस्मिक दौरे पड़ना शामिल हैं। इससे बीमारी, कोमा और यहां तक कि मृत्यु भी हो सकती है।

डॉ. माथुर ने बताया कि उदयपुर जिले से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार चांदीपुरा संक्रमण के गंभीर लक्षणों वाला कोई अन्य मरीज उपचारधीन नहीं है और प्रभावित रहे क्षेत्रों में आवश्यक सर्वे-निगरानी बढ़ाने, सैम्पल अविलंब एसएमएस मेडिकल कॉलेज भिजवाने, कीट-मच्छररोधी गतिविधियां संचालित करने सहित आवश्यक जनजागरूकता विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं।

एसएमएस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. त्रिलोकचंद श्रीवास्तव और जेके लोन अस्पताल चाइल्ड स्पेशलिस्ट्स डॉ. कपिल गर्ग का कहना है कि चांदीपुरा एक वायरल संक्रमण है। जो डेंगू, चिकनगुनिया जैसे मच्छर, माइट और सैंड फ्लाई द्वारा फैलता है। यह एक दुर्लभ बीमारी है जिसमें उच्च रोगजनकता और मृत्यु दर होती है।

'जो नेता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाते समय रास्ते में उप तहसील दतवास में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उनका फूलमालाओं से जोरदार स्वागत किया और साफा पहनाया। पायलट ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी को जिताने पर सभी कार्यकर्ताओं व जनता का आभार व्यक्त किया। इस दौरान कार्यकर्ता बृजमोहन अग्रवाल, सीताराम सोनी, हनुमान गुर्जर, राजेश खंडेलवाल, रामदयाल चौधरी, मीठालाल मीणा, देवराज गुर्जर, सीताराम मीणा, महेन्द्र शर्मा, हजारीलाल मीणा, रतनलाल मीणा, शकूर साइ व इशाक लोहार सहित कई कार्यकर्ताओं ने पायलट का स्वागत किया।

रामगढ़ बांध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उद्गम स्थल पर ही तालाब का निर्माण किया गया है। जिसके चलते नदी का पानी आगे नहीं जाता है। वहीं कई जगह पर नदी के बहाव क्षेत्र को समतल कर उस पर खेती की जा रही है। दूसरी ओर विराट नगर में नदी के बहाव क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी ने रोड का निर्माण कर दिया। मिलीभगत कर यहां एक रिसोर्ट का निर्माण कर विभागों ने एन.ओ.सी. भी जारी कर दी है। डांगी ने बताया कि रामगढ बांध तक पानी पहुंचाने वाली बाण गंगा, माधो बेणी और ताला नदी में दस फीट से अधिक मिट्टी भरी हुई है। गौरतलब है कि रामगड बांध में अतिक्रमण और पानी नहीं पहुंचने के मामले में हाईकोर्ट ने वर्ष 2011 में स्व प्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया था।

योगी आदित्यनाथ ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **पर, योगी आदित्यनाथ ने मैसेज दिया है कि वे कहीं नहीं जा रहे हैं और छत्तीसगढ़ या गुजरात की भाँति, चुटकी बजाकर उन्हें नहीं बदला जा सकता, जैसे कि गुजरात व छत्तीसगढ़ में भाजपा ने कर लिया।**
- **दूसरी ओर यह भी सच है कि यू.पी. में कुछ ही दिनों में होने वाले उपचुनाव में भाजपा हाईकमान ने मु.मंत्री को खुली छूट दे रखी है।**
- **पर, भाजपा हाईकमान व मु.मंत्री योगी में इतनी ज्यादा दूरियाँ व अविश्वास है कि राजनीतिक हल्कों में चर्चा है कि 10 उपचुनाव में इण्डिया गठबंधन की स्थिति मजबूत है, योगी आदित्यनाथ को पूरी छूट देने का राजनीतिक मकसद है कि इन चुनावों में जब भाजपा हारे तो इस असफलता के बाद मु.मंत्री को आसानी से हटाया जा सकेगा।**

आर.एस.एस. सरसंघचालक मोहन भागवत ने भी राँची में कहा था कि "चुनावी जनादेश प्रत्येक व्यक्ति को स्वीकार करना चाहिए।"

भाजपा नेतृत्व जाहिर तौर पर, पार्टी को खासतौर पर यू.पी. में हुये नुकसान को स्वीकार नहीं कर पा रहा है। शुरूआत में, मुस्लिमों तथा अयोध्या के मतदाताओं पर अपनी भड़ास निकालने के बाद, भाजपा कैडर ने संविधान पर तथा आरक्षण के विरुद्ध विपक्ष के प्रचार, और "बुलडोज़र नीति" के प्रतिकूल प्रभाव तथा राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार की संस्कृति को जिम्मेदार ठहराया था। भाजपा नेताओं को एक आम तथा अविश्वसनीय शिकायत यह रही है कि "प्रशासन ने सहयोग नहीं किया।"

आदर्शवादी दृष्टिकोण के लिहाज से, भाजपा नेतृत्व योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री पद से हटाकर, उत्तर प्रदेश में पुनः शुरूआत करना चाहता है।

लेकिन परेशानी यह है कि योगी कोई "हल्के नेता" नहीं हैं जिन्हें उस तरीके से हटाया जा सके, जिस तरह गुजरात या छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री हटा दिए गऐ थे। इसलिए, ऐसी सम्भावना प्रतीत हो रही है कि फिलहाल योगी और भाजपा नेतृत्व के बीच युद्ध विराम की स्थिति बनी रहेगी।

दिलचस्प बात यह है कि भाजपा नेतृत्व ने उत्तरप्रदेश की 10 सीटों पर उपचुनाव कराने के मामले में मुख्यमंत्री को खुली छूट दे रखी है। इन चुनाव क्षेत्रों में इंडिया गठबन्धन की अच्छी पकड़ के चलते, योगी आदित्यनाथ को इस परीक्षा में सफल होने में मुश्किल आ सकती है। इसलिए प्रश्न यह है कि क्या योगी को उन्हीं की पार्टी का नेतृत्व असफलता की स्थिति में लाकर, निपटाने जा रहा है ?

शिंदे गुट के नेता छगन भुजबल की शरद पवार से मुलाकात

- **इस मुलाकात को छगन भुजबल ने गैर राजनीतिक मुलाकात बताने का प्रयास किया लेकिन इस घटनाक्रम ने एक दम से महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ी हलचल पैदा कर दी है।**

मुंबई, 15 जुलाई। महाराष्ट्र में राजनीतिक हलचल एक बार फिर से तेज होती नजर आ रही है। एकनाथ शिंदे सरकार के मंत्री छगन भुजबल ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) प्रमुख शरद पवार से सोमवार को मुलाकात की। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की अगुवाई वाली प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से ताल्लुक रखने वाले भुजबल शरद के मुंबई स्थित सिल्वर ओक आवास पर पहुंचे। इस मीटिंग के बाद उन्होंने कहा कि मराठा-ओबीसी आरक्षण पर बात करने को लेकर वह यहां आए थे। हालांकि, राजनीतिक गलियारों में तो ऐसी चर्चा है कि परदे के पीछे कोई नई सियासी पटकथा रची जा रही है।

छगन भुजबल ने कहा, शरद पवार राज्य के सीनियर नेता हैं जो अलग-अलग जाति के घटकों के जीवन को जानते हैं। वह जानते हैं कि गांवों में विभिन्न समुदायों के लोग कैसे रह रहे हैं। मैंने उन्हें बताया कि गांवों में झड़पें हो रही हैं। अगर मराठा आरक्षण को लेकर सभी दलों के नेता एक साथ आएं तो इसे रोका जा सकता है।

मैंने उनसे मराठा-ओ.बी.सी. के विवाद में मध्यस्थता करने की बात कही है। ऐसा नहीं हुआ तो आगे जाकर स्थिति बिगड़ जाएगी। उन्होंने (शरद पवार) कहा कि वे एकनाथ शिंदे के साथ बात करेंगे।

भारत 2030 तक जापान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाउस बनने का आकांक्षी है। सिम्पसन ने कहा कि निरन्तर किए जाने वाले रणनीतिक प्रयासों और सरकार के समर्थन के कारण इस सैक्टर में आर्थिक वृद्धि करने, नौकरियों के सृजन और भारत की वैश्विक अपील को बढ़ाने की जबर्दस्त क्षमता है।

बुकिंग होल्डिंग्स के ग्लोबल सी.ई.ओ. ग्लैन फगेल भी इस दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। उन्होंने भी ग्लोबल ट्रैवल इण्डस्ट्री पर भारत के परिवर्तनकारी विकास और संभावित प्रभाव को रेखांकित किया है।

फगेल ट्रैवल के मामले में भारत की आबादी की प्रभावशाली प्रोफाइल, आर्थिक वृद्धि और बढ़ते उत्साह का प्रमुखता से उल्लेख करते हैं। वे ध्यान दिलाते हैं कि सुख-साधन की सुविधाओं के अन्तर्राष्ट्रीय मानकों को कभी पूरा ना कर सकने वाले भारत को अब हाई क्वालिटी होटल्स के विस्तार और अपनी सांस्कृतिक समृद्धि एवं विविध भू-भागों की यात्रा के लिए अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों को लुभाने वाले देश के रूप में जाना जाता है।

अगोडा, प्राइसलाइन और कयाक जैसे प्लेटफॉर्म्स का पर्यवेक्षक करने वाले बुकिंग होल्डिंग्स ने पर्यटन को बढ़ावा देने वाले भारत सरकार के प्रयासों की सराहना की है। इन प्रयासों में इन्फ्रास्ट्रक्चर में ठोस निवेश, सम्पर्क वृद्धि, ई-वीसा जैसी वीसा सुविधाएं शामिल हैं जिनसे घरेलू और विदेशी, दोनों ही पर्यटनों में महत्वपूर्ण तेजी आई है।

वह भारत की आर्थिक दिशा और बढ़ते मध्यम वर्ग को लेकर आशावादी हैं, जिसने घरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय ट्रैवल के विवेकपूर्ण व्यय में वृद्धि की है। वह, खर्च वहन करने योग्य पर्यटन की आर्थिक वृद्धि में तकनीकी विकास और मजबूत आर्थिक सिद्धांतों के प्रति भारत की सकारात्मक रूख जिक्र करते हैं।

फगेल भारत की क्षमता को लेकर बुकिंग होल्डिंग्स की भविष्य की योजनाओं के संबंध में भारत के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करते हैं। बुकिंग होल्डिंग्स ने अपने तकनीकी नवाचार और अपने ब्रैण्ड्स के साझा व्यापार को लेकर बैंगलुरू में 250 मिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की है।

टिकाऊ निवेश, रणनीतिक प्रयास और एक लचीले घरेलू पर्यटन बाजार के कारण भारत पर्यटन एवं आर्थिक वृद्धि की महत्वपूर्ण उपलब्धि को प्राप्त करने के लिए अपनी सांस्कृतिक समृद्धि, प्राकृतिक सौन्दर्य और आर्थिक गतिशीलता का लाभ उठाने जा रहा है।

'राज्य सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रखे गये हैं और हाई सिक्यूरिटी कैमरे लगाने के लिए पोल भी लगा दिए हैं। इस पर न्यायमित्र अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि जो सुरक्षाकर्मी लगाए जाएंगे, वे पुलिसकर्मी होंगे या होमगार्ड। न्यायमित्र ने कहा कि शहर के अलावा अन्य जगहों पर न्यायिक अफसर सरकारी क्वार्टर या निजी आवासों में रहते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा भी होनी चाहिए। इस पर खंडपीठ ने राज्य सरकार से कहा कि निजी आवास व क्वार्टर में रहने वाले न्यायिक अफसरों की सुरक्षा के लिए क्या करेंगे।

गौरतलब है कि न्याय शिखा अपार्टमेंट में एक महिला न्यायिक अधिकारी के घर पर चोरी की वारदात हुई थी। इसके बाद सामने आया कि न्यायिक अफसरों की सुरक्षा के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं हैं, जबकि उस क्षेत्र में 150 से ज्यादा जज रहते हैं। इस बारे में राजस्थान न्यायिक सेवा अधिकारी संघ के अध्यक्ष ने भी मुख्य सचिव को पत्र लिखा था, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। न्यायिक अफसरों की सुरक्षा में लापरवाही को गंभीर मानते हुए हाईकोर्ट ने स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया था। पूर्व में अदालत ने इस मामले में सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह घर व कोर्ट कक्ष में उनकी सुरक्षा के लिए एक-एक सुरक्षाकर्मी लगाए। इसके साथ ही अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि जब न्यायिक अधिकारियों के घर ही सुरक्षित नहीं है तो आमजन में सुरक्षा का भरोसा कैसे पैदा होगा।

ट्रम्प की हत्या के प्रयास से राष्ट्रपति....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **लोगों का मानना है, ट्रम्प द्वारा प्रतिपादित हिंसा लौटकर आयी है और अब स्वयं ट्रम्प पर गोली चली है।**
- **अतः राजनीति में हिंसा को रोकने के लिये, ट्रम्प को हराना जरूरी है और बाइडन की उम्मीदवारी को मजबूती देना अनिवार्य है।**

जॉन एफ. कैनेडी जब पदासीन राष्ट्रपति थे, तब उनकी हत्या कर दी गई थी, यह घटना सर्वाधिव उद्वेलित करने वाली थी।

उनके भाई रॉबर्ट कैनेटी ने राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अपना प्रचार शुरू ही किया था कि एक मीटिंग से बाहर आते ही होटल की लॉबी में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनकी हत्या भी कोई छोटी-मोटी बात नहीं थी।

अब्राहम लिंकन से लेकर कई राष्ट्रपतियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई और कई अन्य की हत्या कर दी गई और कई अन्य की हत्या के प्रयास किए गए। अमेरिकी राष्ट्रपति के पद के साथ व्यक्तिगत नुकसान और मौत का गंभीर खतरा जुड़ा रहा।

ट्रम्प जब पिछली बार राष्ट्रपति पद का चुनाव हार गए थे तब उनके समर्थकों ने वाइट हाउस में सुरक्षा कर्मियों पर और हर कहीं हमले बोले, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी। ट्रम्प के आरोप थे कि उन्हें अनुचित तरीकों से हराया गया है और चुनावों में धांधली हुई है, जिससे उनके समर्थक आग बबूला हो गए थे।

अत: कहा जा सकता है कि तब हुई हिंसा ने अब उन्हें ही अपनी लपेट में ले लिया है।

ट्रम्प की हत्या के प्रयास ने राष्ट्रपति जो बाइडन को लेकर चल रही राजनीति की दिशा मोड़ दी है। पहले उनकी पार्टी में इस बात को लेकर एक तरह की सर्वानुमति थी कि ट्रम्प के साथ हुई विध्वंसक बहस और फिर वॉशिंगटन में नाटो के एक प्रेस कांफ्रेंस की खबर सम्मेलन में उनके खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें राष्ट्रपति पद चुनावों में अपनी उम्मीदवारी त्याग देनी चाहिए।

डैमोक्रेट्स पहले जहां यह मांग कर रहे थे कि बाइडन को बुढ़ापे और सार्वजनिक मंचों पर भ्रमित हो जाने के कारण राष्ट्रपति की उम्मीदवारी वापस ले लेनी चाहिए, लेकिन अब वे ही लोग अचानक से कहने लगे हैं कि हमें एकजुट होकर चुनावी संघर्ष करना है।

ट्रम्प पर गोली चलाने के अन्तर्निहित उद्देश्यों को लेकर संकट उत्पन्न हो गया है। राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी पर जानलेवा हमले की खबर का चीन के आधिकारिक मीडिया ने व्यंग्यपूर्ण अंदाज में स्वागत किया है।

बीज़िंग के ग्लोबल टाइम्स ने इस पर विस्तार से बताया है कि उदार लोकतंत्र के अमेरिकी सिस्टम ने देश को किस तरीके से विफल किया और हताश जनता को अपनी निराशा व्यक्त करने का कोई मंच नज़र नहीं आ रहा। चीन के राजनीतिक आका काफी पहले से यह दावा करते आ रहे हैं कि लोकतंत्र के पश्चिमी मॉडल की गुणवत्ता चीन के मॉडल से कमतर है। चीन हमेशा इस बात पर जोर देता रहा है कि वैस्टर्न मॉडल कितना अस्थिर है और इसके बारे में कुछ भी स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सकता है। इसकी जगह चीन ने अपनी स्थिरता, स्थायित्व भरोसा बढ़ा लिया है। राजनैतिक आज़ादी और बोलने की स्वतंत्रता की एवज में चीन ने अपने लोगों की आर्थिक समृद्धि को स्थिरता दी है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व अपने मित्र डॉनल्ड ट्रम्प पर्सनल मैसेज एवं हिंसा पर चिंता जताई। अगर ट्रम्प जीत गए तो इस मैसेज का सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

क्या भाजपा हाईकमान की राहुल व अखिलेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **चर्चाओं के अनुसार, भाजपा, प्रियंका गांधी के वायनाड से सांसद बनने की संभावना से काफी नाखुश है, क्योंकि वे हाजिर जवाबी व भाव पूर्ण भाषण देने में काफी माहिर हो गई हैं, अतः सांसद के रूप में भाजपा के लिये काफी परेशानी उत्पन्न करने की क्षमता रखती हैं संसद में। अतः हाईकमान की रणनीति के तहत भाजपा, राहुल से ज्यादा प्रियंका गांधी को टारगैट करेगी आने वाले समय में।**

भेद से विरोधियों को मैनेज करने में लगे हैं, जबकि जनता ने महाराष्ट्र व हिमाचल में उनकी राजनीति ठुकरा दी है।

इसी बीच नड्डा आम चुनाव से लेकर हाल ही में हुए विधानसभा सीटों के उप चुनाव तक एक के बाद एक लगे झटके पर अपनी निराशा नहीं छिपा सके और उन्होंने कांग्रेस को परजीवी कह डाला।

नड्डा ने उत्तर प्रदेश में भाजपा कार्यसमिति की बैठक में कहा, भाजपा अन्य पार्टियों के समर्थन से जीती है। इसका अर्थ है यह परजीवी पार्टी है, जो दूसरो पर जिंदा रहती है और फिर उसी को समाप्त कर देती है जिसका सहारा लेकर जिंदा रहती है। यह वो बेल है, जो अन्य दलों का सहारा लेकर आगे बढ़ती है।

नड्डा ने राहुल और प्रियंका पर भी कटाक्ष किया और कहा कि जो लोग प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना कर रहे हैं, जिनमें भाई-बहन भी शामिल हैं, वे "पढ़े लिखे मूर्ख" हैं। एक भाजपा नेता ने कहा कि भाजपा आलाकमान लोकसभा में प्रियंका गांधी के आगमन से भयभीत है क्योंकि वे न केवल हाजिर जवाब है बल्कि भाषा पर उनकी अच्छी पकड़ है, वे हाजिर जवाबी और भावना पूर्ण में भाजपा को मात दे सकती हैं, आने वाले समय में भाजपा नेता उन पर अपनी बंदूके तानेंगे।

नड्डा ने कहा, "भाजपा एक ऐसी पार्टी है जिसका वर्तमान भी है और भविष्य भी। हम ऐसी इकलौती पार्टी हैं जो भारत के 143 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करती है। हम सब राजनैतिक कार्यकर्ता हैं। भाजपा का हर सदस्य कार्यकर्ता भी है और नेता भी।"

उनकी ये टिप्पणियाँ इस आम धारणा के दौरान आई हैं कि उत्तर प्रदेश के लोकसभा चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन बहुत खराब रहा है। उत्तर प्रदेश से निर्वाचित सांसदों की संख्या 62 से गिरकर 33 पर आ गई है और इसका कारण केवल भाजपा सरकार की विफलता ही नहीं रही अपने कार्यकर्ताओं के प्रति उसकी उपेक्षा भी रही है।

राज्य भाजपा के अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने कहा: "अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान (की भावना) हमारी प्राथमिकता है। हम पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मान के मामले में समझौता नहीं करेंगे।"

अपने आम तौर-तरीकों से अलग हटकर, इस अवसर पर सभी भाजपा नेताओं ने अखिलेश की आलोचना से दूरी बनाये रखी।

किन्तु सूत्रों ने कहा कि अखिलेश अब कोई नौसिखिया नहीं है तथा वे इस बात को अच्छी तरह समझते हैं कि भाजपा (सपा और कांग्रेस में) अलगाव पैदा करने पर आमादा है। इसलिये उन्होंने भाजपा की बातों में कोई रूचि नहीं दिखाई है।

चौधरी ने कांग्रेस की तुलना पौराणिक दैत्य भस्मासुर से की तथा चेताया: "अखिलेश को सतर्क रहना चाहिये। कांग्रेस भस्मासुर है और उन्हें शीघ्र ही निबटा देगी।"

चौधरी की यह टिप्पणी उनकी पार्टी के पूर्व रूख के सर्वथा विपरीत है। ज्ञातव्य है कि आम चुनावों में प्रचार के दौरान, भाजपा ने अखिलेश की कटु आलोचना करते हुये, उन्हें वंशवादी राजनेता, भ्रष्ट एवं गुंडों का सरदार बताया था।

जहाँ उत्तर प्रदेश में लोकसभा सांसदों की संख्या 2019 में विजयी रहे 62 सांसदों से गिरकर 33 सांसदों तक आ गई है, वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद 5 से बढ़कर 37 हो गये हैं। कांग्रेस ने 6 सीटें जीती हैं, जबकि 2019 में उसने केवल एक सीट जीती थी।

संदर्भित मीटिंग में स्वीकृत प्रस्ताव में राहुल पर हिन्दुओं को अपमानित करने का आरोप लगाया गया है।

प्रस्ताव में कहा गया है, "अभी हाल ही में लोकसभा में राहुल ने कहा था कि जो लोग स्वयं को हिन्दू कहते हैं, नफरत और द्वेष फैलाने में लिप्त हैं। उनका बयान सभी हिन्दुओं का अपमान है। उनका बयान दर्शाता है कि अगर वे सत्ता में आये तो "हिन्दू" शब्द पर रोक लगा देंगे। उन्हें हिन्दू समुदाय से माफी माँगनी चाहिये।"

राहुल ने संसद में यह स्पष्ट कर दिया था कि उनकी टिप्पणी के लक्ष्य पर सिर्फ और सिर्फ भाजपा का ब्रॉन्ड था।

मु.मंत्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चर्चा हुई। इस अवसर पर केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा एवं अजय टमटा सहित भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी तथा राजस्थान के वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908